ब्रिटिश शासन में शिक्षा का विकास

- 1781 ई० में सर्वप्रथम G.G. वारेन होर्स्टंगस ने कलकत्ता में मदरसे की स्थापना की। In 1781 AD, G.G. Warren Horstangs first established a madrasa in Calcutta.
- Study - अरबी एवं फारसी अध्ययन के लिए।
  Study - For Arabic and Persian studies.
- प्रथम प्रमुरत - नाजिम मुल्ला मुजदुद्दीन
  First Pramurat - Nazim Mulla Mujduddin

Asiatic Society of Bangal - जनवरी 1784, विलियम जोंस ने

January 1784, William Jones

भारतीय भाषाओं एवं शास्त्रीय अध्ययन

Indian languages and classical studies

- अभिज्ञान शकुंतलम् (कालिदास) व गीत गोविंद, (जयदेव) का अंग्रेजो में सर्वप्रथम अनुवाद - विलियम जोस। First English translation of Abhijnana Shakuntalam (Kalidas) and Geeta Govinda (Jaydev) - William Jones.

- भगवदगीता तथा हितोपदेश का अंग्रेजो अनुवाद – विल्किंस
  English translation of Bhagavad Gita and Hitopadesha - Wilkins
- विलियम जोंस ने 1792 ई० में "Institute of Hindu law' के नाम से मनुस्मृति का अनुवाद भी प्रकाशित किया था। William Jones also published a translation of Manusmriti in 1792 under the name of 'Institute of Hindu law'.

1791 ई० में जोनाथन डंकन ने वाराणसी में संस्कृत कॉलेज की स्थापना की थी। In 1791, Jonathan Duncan established Sanskrit College in Varanasi.

उद्देश्य - हिन्दुओं का धर्म, साहित्य तथा कानून का प्रसार करने हेतु।

Objective - To spread Hindu religion, literature and law.

फोर्ट विलियम कॉलेज - स्थापना 1800 ई० में, वेलेजली ने कलकत्ता में में कंपनी कंपनी के असैनिक अधिकारियों की शिक्षा हेतु।

Fort William College - Established in 1800 by Wellesley in Calcutta for the education of the civil officers of the Company.

- किन्हीं कारणों से 1802 ई० में इसे बंद कर दिया गया था।

  Due to some reasons, it was closed in 1802.

- भारत में आधुनिक शिक्षा को नींव 1835 ई० के मैकाले के स्मरण पत्र द्वारा।
  The foundation of modern education in India was laid by Macaulay's Memorandum of 1835.
- मैकाले अंग्रेजी शिक्षा का एक ऐसा वर्ग बनाना चाहता था, जो रंग एवं रक्त से भारतीय हो, परन्तु प्रवृत्ति, नैतिकता, विचार एवं बुद्धि से अंग्रेज हों।
  Macaulay wanted to create a class of English education which would be Indian by colour and blood but English by tendency, morality, thought and intellect.

1854 का चार्ल्स वुड डिस्पैच:Charles Wood Dispatch of 1854:

- डलहौजी के कार्यकाल में शिक्षा के विकास का दूसरा चरण आरंभ हुआ। कंपनी ने 19 July 1854 को अपनी शिक्षा नीति घोषित कर दी।

  The second phase of development of education started during Dalhousie's tenure. The company declared its education policy on 19 July 1854.

- वुड डिस्पैच को भारतीय शिक्षा का मैग्नाकारी कहा जाता है।Wood's Dispatch is called the magnum opus of Indian education.

सिफारिश:- सरकार पाश्चात्य शिक्षा, कला, दर्शन, विज्ञान व साहित्य का प्रसार करे। Recommendation:- The government should spread western education, art, philosophy, science and literature.

- उच्च शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी हो किन्तु देशी भाषाओं को भी प्रोत्साहित किया जाए। The medium of higher education should be English but native languages should also be encouraged.

- लंदन विश्व० के आधार पर कलकत्ता, चेन्नई व मुम्बई में तीन विश्व० स्थापित किये जाये। On the basis of London University, three universities should be established in Calcutta, Chennai and Mumbai.
  - 1857 में
- महिला शिक्षा को बढ़ावा दिया जाये।
  Women education should be encouraged.
- वुड डिस्पैच विश्व स्तर की शिक्षा से संबंधित था।
  Wood's Dispatch was related to world class education.

- पहली बार महिला शिक्षा का समर्थन 1854 के वुड डिस्पैच में किया गया। For the first time women education was supported in Wood's Dispatch of 1854.
- पहली बार 1833 के अधि० के तहत् भारत में शिक्षा के लिए 1 लाख रु० दिये गये थे। For the first time Rs. 1 lakh was given for education in India under the Act of 1833.
- आधुनिक पाश्चात्य शिक्षा का भारत में प्रसार करेन का श्रेय ईसाई मिशनरियों को दिया जाता है। Christian missionaries are credited with spreading modern western education in India.

पाश्चात्य शिक्षा - एक मध्यम वर्ग तैयार करना जो औपनिवेशिक व्यवस्था बनाये रखने में सहायक है।

Western education - to create a middle class which is helpful in maintaining the colonial system.

- भारत में प्रथम इंजीनियरिंग कॉलेज को स्थापना 1847 ई० में रुड़की में जेम्स थामसन ने की। The first engineering college in India was established in 1847 by James Thomson in Roorkee.
- भारत में आधुनिक शिक्षा का जन्मदाता – चार्ल्स ग्रांट को
  The father of modern education in India - Charles Grant

- अंग्रेजी शिक्षा वाले स्कूलों का जाल बिछा देने की योजना सर्वप्रथम चार्ल्स ग्रांट के मन में आई थी। The plan to spread a network of schools with English education first came to Charles Grant's mind.
- ब्रिटिश एशियाई प्रजा की सामाजिक स्थिति उ नामक पुस्तक का लेखक चारसे ग्रोट The book titled Social Status of British Asians was written by Charles Grote

हण्टर शिक्षा आयोग (1882-1883) - प्रथम भारतीय शिक्षा आयोग था।

Hunter Education Commission (1882-1883) - was the first Indian Education Commission.

- अध्यक्ष :- w.w. Hunter Chairperson: - w.w. Hunter
- सदस्य संख्या:- अध्यक्ष के अलावा 20 सदस्य थे जिनमें से 8 भारतीय सदस्य थे। Number of members:- Apart from the President, there were 20 members out of which 8 were Indian members.

गर्वनर जनरल : - रिपन Governor General: - Ripon

हण्टर कमीशन की रिपोर्ट में प्राथमिक शिक्षा के विकास पर जोर दिया गया था।

मातृभाषा पर जोर।

In the report of Hunter Commission emphasis was given on development of primary education.

- हण्टर कमीशन के बाद भारत में 1882 में पंजाब विश्वविद्यालय तथा 1887 को प्रयागराज विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।

रैले कमीशन 1902 - Raleigh Commission 1902

↳ 1902 ई० में सर टामस रैले की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय आयोग की स्थापना की गई। In 1902, the University Commission was established under the chairmanship of Sir Thomas Raleigh.

भारतीय सदस्य :- सैयद हुसैन बिलग्रामी, जास्टिस गुरुदास बनर्जी Indian members:- Syed Hussain Bilgrami, Justice Gurudas Banerjee

उद्देश्य:- विश्वविद्यालयों की स्थिति की समीक्षा करना तथा उनके संविधान तथा कार्यशैली में सुझाव देना। Objective:- To review the status of universities and give suggestions regarding their constitution and working style.

- प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा को इस आयोग को परिधि से दूर रखा गया है। Primary and secondary education were kept out of the purview of this commission.
- भारतीय विश्व ० अधिनियम 1904 में पारित किया गया।
  The Indian ~~World~~ University Act was passed in 1904.
- कृषि विभाग तथा पुरातत्व विभाग की स्थापना [illegible] कर्जन के शासनकाल में हुई थी। The Department of Agriculture and the Department of Archaeology were established during the reign of [illegible] Curzon.

- अंग्रेजी सरकार से नि:शुल्क प्राथमिक शिक्षा की मांग सर्वप्रथम गोपाल कृष्ण गोखले ने की थी। Gopal Krishna Gokhale was the first to demand free primary education from the British government.

सैडलर आयोग - 1917 ई० Sadler Commission - 1917 AD

- सैडलर आयोग के सदस्यों में दो भारतीय सदस्य सर आशुतोष मुखर्जी व जियाउद्दीन अहमद। Among the members of the Sadler Commission were two Indian members, Sir Ashutosh Mukherjee and Ziauddin Ahmed.

- सैडलर आयोग का विचार था अगर विश्व० की शिक्षा में सुधार करना है तो माध्यमिक शिक्षा का सुधार आवश्यक है। he Sadler Commission was of the view that if the university has to improve education, then improvement of secondary education is essential.

सिकारिश: - 12 वर्ष की स्कूल शिक्षा व इण्टरमीडिएट परीक्षा के बाद विश्व० में प्रवेश है।

- विश्व० से पृथक इण्टरमीडिएट कॉलेज हो तथा इनकी परीक्षाओं के संचालन के लिए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का गठन हो। There should be separate intermediate colleges from the university and a secondary education board should be formed to conduct their examinations.
- स्नातक पाठ्यक्रम 3 वर्ष का हो।
  The graduation course should be of 3 years.
- महिला शिक्षा के लिए महिला शिक्षा प्रसार बोर्ड बनाने की मांग सर्वप्रथम सैडलर आयोग ने की थी। The demand for forming a Mahila Shiksha Prasar Board for women's education was first made by the Sadler Commission.

हार्टोग समिति – 1929 ई० Hartog Committee – 1929 AD

- प्राथमिक शिक्षा पर बल तथा इसे अनिवार्य करने की निंदा की गयी थी।
  Emphasis on primary education and making it compulsory was condemned.
- ग्रामीण छात्रों को मिडिल स्कूल तक की शिक्षा देने के बाद कॉलेज में प्रवेश के स्थान पर उन्हें व्यावसायिक एवं औद्योगिक शिक्षा प्रदान की जाए।
  Instead of giving admission to college to rural students after giving them education up to middle school, they should be given vocational and industrial education.

मौलिक शिक्षा की वर्धा योजना : 1937

Wardha Scheme of Elementary Education: 1937

- शिक्षा की वर्धा योजना का ब्यौरा डा० जाकिर हुसैन समिति ने प्रस्तुत किया। **The details of Wardha Scheme of Education were presented by Dr. Zakir Husain Committee.**

सार्जेण्ट योजना - 1944 ई० Sargent Plan - 1944 AD

- देश में प्राथमिक एवं माध्यमिक ~~विद्यालय~~ स्थापित किये जाये।

  Primary and secondary schools should be established in the country.

- 6 से 11 वर्ष तक के बच्चो को नि: शुल्क व आनवार्य शिक्षा।

  Free and compulsory education for children between 6 and 11 years.

- से 17 वर्ष तक 6 वर्ष तक अतिरिक्त शिक्षा की व्यवस्था हो।

  There should be provision for additional education for 6 years from ~~18 to 17~~ years

- एकेडमिक व व्यावसायिक शिक्षा के लिए दो प्रकार के विद्यालय हो।

  There should be two types of schools for academic and vocational education.

राधाकृष्ण आयोग - 1948-1949 Radhakrishnan Commission - 1948-1949

↳ शिक्षा को समवर्ती सूची में शामिल करने का सुझाव सर्वप्रथम राधाकृष्ण आयोग ने दिया था। The suggestion to include education in the concurrent list was first given by the Radhakrishnan Commission.

- राधाकृष्ण आयोग की सिफारिशों के आधार पर सर्वप्रथम 1953 विश्व० अनुदान आयोग का गठन किया गया। On the basis of the recommendations of the Radhakrishnan Commission, the first ~~World~~ Grants Commission was formed in 1953.

कोठारी आयोग → 1964 Kothari Commission → 1964

- नई शिक्षा नीति – 1986 New Education Policy - 1986
- 1986 ई० में नई शिक्षा नीति कोठारी आयोग की सिफारिशों पर लागू की गई थी। In 1986, the new education policy was implemented on the recommendations of the Kothari Commission.
- प्रमुख उद्देश्य: "सबके लिए शिक्षा"
  Main objective: Education for all

ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड :- 1986 की नई शिक्षा नीति के तहत् प्राथमिक विद्यालयों को दी जाने वाली न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं की व्याख्या।

Operation Black Board:- Explaining the minimum necessary facilities to be provided to primary schools under the new education policy of 1986.

- स्कूल चलो अभियान की शुरुआत - 2000

  School Chalo Abhiyan started - 2000

- सर्वप्रथम बड़ौदा रियासत ने 1906 में नि:शुल्क व अनिवार्य शिक्षा लागू की थी।

  Baroda State was the first state to implement free and compulsory education in 1906.

भारतीय समाचार पत्रों का विकास

Development of Indian newspapers

भारतीय समाचार पत्रों का इतिहास History of Indian newspapers

➢ पुर्तगाली मिशनरियों ने 16 वीं शताब्दी में भारत में सर्वप्रथम प्रिंटिंग प्रेस की स्थापना की थी। Portuguese missionaries established the first printing press in India in the 16th century.

- E.I.C ने 1684 ई० में मुम्बई में अपनो पहली प्रिंटिग प्रेस स्थापित की।
  E.I.C established its first printing press in Mumbai in 1684 AD.

- भारत का प्रथम समाचार पत्र - द बंगाल गजर 29 Jan. 1780 ई० को जेम्स ऑगस्टस हिक्की। India's first newspaper - The Bengal Gazette, published on 29 Jan. 1780 by James Augustus Hickey.

➢ 1789 ई० में प्रकाशित बॉम्बे हेराल्ड मुम्बई का प्रथम साप्ताहिक पत्र था। 1791 ई० में इसका नाम बदलकर बाम्बे गजट कर दिया। Bombay Herald, published in 1789 AD, was the first weekly newspaper of Mumbai. In 1791 AD, its name was changed to Bombay Gazette.

➢ किसी भारतीय द्वारा अंग्रेजो में प्रकाशित प्रथम समाचार पत्र:- बंगाल गजर

First newspaper published in English by an Indian: - Bengal Gazette

गंगाधर भट्टाचार्य Gangadhar Bhattacharya

➢ भारत में पत्रकारिता के इतिहास का अग्रदूत की उपमा :- जेम्स ऑगस्टस हिक्की/ The pioneer of the history of journalism in India: - James Augustus Hickey

➢ भारत में राष्ट्रीय प्रेस की स्थापना का श्रेय राजा राम मोहन राय को जाता है।

The credit for establishing the national press in India goes to Raja Ram Mohan Roy.

➢ संवाद कौमुदी :-1821 - राजा राम मोहन राय

Samvad Kaumudi:-1821 - Raja Ram Mohan Roy

➢ संवाद कौमुदी किसी भारतीय द्वारा भारतीय भाषा में प्रकाशित होने वाला प्रथम समाचार पत्र था। Samvad Kaumudi was the first newspaper published by an Indian in an Indian language.

➤ उर्दू का प्रथम समाचार पत्र :- जाम - ए - जहांनुमा

First Urdu newspaper:- Jam-e-Jahannuma

↳ प्रकाशन - 1822 ई० में कलकत्ता में हरिहर दत्ता द्वारा।

Published - In 1822 AD in Calcutta by Harihar Dutta.

➤ भारत का प्रथम हिन्दी समाचार पत्र - उदंड मार्तण्ड

India's first Hindi newspaper - Udand Martand

↳ 30 May 1826, जुगल किशोर 30 May 1826, Jugal Kishore

समाचार पत्र	वर्ष	स्थान	संपादक / संस्थापक
बंगाल गजट (अंग्रेजी)	1780	कलकत्ता	जेम्स ऑगस्टस हिक्की (आयरिश)
कलकत्ता गजर (अंग्रेजी)	1784	कलकत्ता	सरकारी सहायता
इण्डिया गजर (अंग्रेजी	1780	कलकत्ता	हेनरी विवियन डेरोजियो
मद्रास कुरियर (अंग्रेजी	1785	मद्रास	हंग वायड तथा रिचर्ड जॉनसन
बाम्बे हेराल्ड (अंग्रेजी)	1789	बम्बई	ल्यूक एशवर्नर
बम्बई कुरियर (अंग्रेजा	1790	बम्बई	आर० विलियम हैम्फ्री
इण्डिया हेराल्ड (अंग्रेजी	1795	मद्रास	हॉल मैलेन्जी

द टेलीग्राफ (अंग्रेजी)	1796	कलकत्ता	गंगाधर भट्टाचार्य हारुचन्द्र राय
बंगाल गजर (अंग्रेजी)	1818	कलकत्ता	जे० सी० मार्शमैन
दिग्दर्शन (बगाली)	1818	कलकत्ता	जे० सी० मार्शमैन
संवाद कौमुदी (बगाली)	1821	कलकत्ता	राजा राम मोहन राय
समाचार दर्पण (बंगाली)	1818	कलकत्ता	बैपटिस्ट मिशनरी सोसाईट
मिरातुल अखबार (कारसी)	1822	कलकत्ता	राजा राम मोहन राय
जाम -ए-जहाँनुमा (उर्दू)	1822	कलकत्ता	हरिहर दत्ता

प्रेस के विरुद्ध प्रतिबंध Restrictions against the press

वेलेजली के प्रतिबंध/Wellesley's Restrictions

➢ 1799 ई० में वेलेजली ने एक अधि० सेंसरसिप ऑफ प्रेस एक्ट द्वारा भारतीय समाचार पत्रों पर प्रतिबंध लगा दिया। In 1799, Wellesley imposed restrictions on Indian newspapers through an act called the Censorship of Press Act.

➢ 1807 ई में यह अधिनियम पत्रिकाओं, पम्पलैट व किताबों पर भी लागू कर दिया। In 1807, this act was also applied to magazines, pamphlets and books.

➢ हेस्टिंग्स ने 1818 ई० में इस अधि० को समाप्त कर दिया।
Hastings abolished this act in 1818.

➢ भारतीय समाचार पत्रों का मुक्तिदाता - चार्ल्स मेटकाफ को कहा जाता है।

Charles Metcalfe is called the liberator of Indian newspapers.

➢ 1818 ई० में - वर्नाकुलर प्रेस एक्ट - G.G. लिटन

In 1818, Vernacular Press Act - G.G. Lytton

➢ 1878 ई० में देशी भाषा समाचार पत्र अधिनियम पारित किया गया।
In 1878, the Native Language Newspaper Act was passed.

➢ वर्नाकुलर प्रेस एक्ट के तहत् सोम प्रकाश, भारत मिहिर, सहचर, ढाका प्रकाश समाचार पत्रों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया था। Under the Vernacular Press Act, a case was filed against newspapers like Som Prakash, Bharat Mihir, Sahachar, Dhaka Prakash.

➢ इस अधि० को मुंह बंद करने वाला आध० भी कहा जाता है।

This act is also called the act that shuts the mouth.

➢ 1878 ई० के वर्नाकुलर प्रेस एष्ट को सुरेन्द्र नाथ बनर्जी ने आकाश से होने वाला बज्रपात कहा। Surendra Nath Banerjee called the Vernacular Press Act of 1878 as a thunderbolt from the sky.

➢ G.G. रिपन ने वर्नाकुलर प्रेस एक्ट 1878 को समाप्त कर दिया।

G.G. Ripon abolished the Vernacular Press Act 1878.

➢ पत्रकार के कर्तव्य का निर्वहन करते हुए जेल जाने वाले प्रथम भारतीय बाल गंगाधर तिलक थे। The first Indian to go to jail while discharging the duty of a journalist was Bal Gangadhar Tilak.

➢ वन्दे मातरम, संध्या व युगांतर आदि पत्रों को 1908 ई० के न्यूज पेपर एक्ट द्वारा बंद कराया गया। Vande Mataram, Sandhya and Yugantar etc. newspapers were closed by the Newspaper Act of 1908 AD.

➢ समाचार पत्रों की समीक्षा के लिए गठित प्रेस कमेटी 1921 के अध्यक्ष तेज बहादूर सत्रु थे। Tej Bahadur Satru was the chairman of the Press Committee 1921 formed to review the newspapers.

➢ भारतीय प्रेस Emergency Act 1931 में पारित किया गया था।

The Indian Press Emergency Act was passed in 1931.

भारतीय समाचार पत्रों का विकास
Development of Indian newspapers

भारतीय समाचार पत्रों का इतिहास History of Indian newspapers

➢ पुर्तगाली मिशनरियों ने 16 वीं शताब्दी में भारत में सर्वप्रथम प्रिंटिंग प्रेस की स्थापना की थी। Portuguese missionaries established the first printing press in India in the 16th century.

➢ E.I.C ने 1684 ई० में मुम्बई में अपनो पहली प्रिंटिग प्रेस स्थापित की।
E.I.C established its first printing press in Mumbai in 1684 AD.

➢ भारत का प्रथम समाचार पत्र - द बंगाल गजर 29 Jan. 1780 ई० को जेम्स ऑगस्टस हिक्की। India's first newspaper - The Bengal Gazette, published on 29 Jan. 1780 by James Augustus Hickey.

➢ 1789 ई० में प्रकाशित बॉम्बे हेराल्ड मुम्बई का प्रथम साप्ताहिक पत्र था। 1791 ई० में इसका नाम बदलकर बाम्बे गजट कर दिया। Bombay Herald, published in 1789 AD, was the first weekly newspaper of Mumbai. In 1791 AD, its name was changed to Bombay Gazette.

➢ किसी भारतीय द्वारा अंग्रेजो में प्रकाशित प्रथम समाचार पत्र:- बंगाल गजर
First newspaper published in English by an Indian: - Bengal Gazette

गंगाधर भट्टाचार्य Gangadhar Bhattacharya

➢ भारत में पत्रकारिता के इतिहास का अग्रदूत की उपमा :- जेम्स ऑगस्टस हिक्की/The pioneer of the history of journalism in India: - James Augustus Hickey

➢ भारत में राष्ट्रीय प्रेस की स्थापना का श्रेय राजा राम मोहन राय को जाता है।

The credit for establishing the national press in India goes to Raja Ram Mohan Roy.

➢ संवाद कौमुदी :-1821 - राजा राम मोहन राय

Samvad Kaumudi:-1821 - Raja Ram Mohan Roy

➢ संवाद कौमुदी किसी भारतीय द्वारा भारतीय भाषा में प्रकाशित होने वाला प्रथम समाचार पत्र था। Samvad Kaumudi was the first newspaper published by an Indian in an Indian language.

➤ उर्दू का प्रथम समाचार पत्र :- जाम - ए - जहांनुमा

First Urdu newspaper:- Jam-e-Jahannuma

↳ प्रकाशन - 1822 ई० में कलकत्ता में हरिहर दत्ता द्वारा।

Published - In 1822 AD in Calcutta by Harihar Dutta.

➤ भारत का प्रथम हिन्दी समाचार पत्र - उदंड मार्तण्ड

India's first Hindi newspaper - Udand Martand

↳ 30 May 1826, जुगल किशोर 30 May 1826, Jugal Kishore

समाचार पत्र	वर्ष	स्थान	संपादक / संस्थापक
बंगाल गजट (अंग्रेजो)	1780	कलकत्ता	जेम्स ऑगस्टस हिक्की (आयरिश)
कलकत्ता गजर (अंग्रेजी)	1784	कलकत्ता	सरकारी सहायता
इण्डिया गजर (अंग्रेजी	1780	कलकत्ता	हेनरी विवियन डेरोजियो
मद्रास कुरियर (अंग्रेजी	1785	मद्रास	हंग वायड तथा रिचर्ड जॉनसन
बाम्बे हेराल्ड (अंग्रेजी)	1789	बम्बई	ल्यूक एशवर्नर
बम्बई कुरियर (अंग्रेजा	1790	बम्बई	आर० विलियम हैम्फ्री
इण्डिया हेराल्ड (अंग्रेजी	1795	मद्रास	हॉल मैलेन्जी

द टेलीग्राफ (अंग्रेजी)	1796	कलकत्ता	गंगाधर भट्टाचार्य हारुचन्द्र राय
बंगाल गजर (अंग्रेजी)	1818	कलकत्ता	जे० सी० मार्शमैन
दिग्दर्शन (बगाली)	1818	कलकत्ता	जे० सी० मार्शमैन
संवाद कौमुदी (बगाली)	1821	कलकत्ता	राजा राम मोहन राय
समाचार दर्पण (बंगाली)	1818	कलकत्ता	बैपटिस्ट मिशनरी सोसाईट
मिरातुल अखबार (कारसी)	1822	कलकत्ता	राजा राम मोहन राय
जाम -ए-जहाँनुमा (उर्दू)	1822	कलकत्ता	हरिहर दत्ता

प्रेस के विरुद्ध प्रतिबंध Restrictions against the press

वेलेजली के प्रतिबंध/Wellesley's Restrictions

➢ 1799 ई० में वेलेजली ने एक अधि० सेंसरसिप ऑफ प्रेस एक्ट द्वारा भारतीय समाचार पत्रों पर प्रतिबंध लगा दिया। In 1799, Wellesley imposed restrictions on Indian newspapers through an act called the Censorship of Press Act.

➢ 1807 ई में यह अधिनियम पत्रिकाओं, पम्पलैट व किताबों पर भी लागू कर दिया। In 1807, this act was also applied to magazines, pamphlets and books.

➢ हेस्टिंग्स ने 1818 ई० में इस अधि० को समाप्त कर दिया।
Hastings abolished this act in 1818.

➢ भारतीय समाचार पत्रों का मुक्तिदाता - चार्ल्स मेटकाफ को कहा जाता है।

Charles Metcalfe is called the liberator of Indian newspapers.

➢ 1818 ई० में - वर्नाकुलर प्रेस एक्ट - G.G. लिटन

In 1818, Vernacular Press Act - G.G. Lytton

➢ 1878 ई० में देशी भाषा समाचार पत्र अधिनियम पारित किया गया।
In 1878, the Native Language Newspaper Act was passed.

➢ वर्नाकुलर प्रेस एक्ट के तहत् सोम प्रकाश, भारत मिहिर, सहचर, ढाका प्रकाश समाचार पत्रों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया था। Under the Vernacular Press Act, a case was filed against newspapers like Som Prakash, Bharat Mihir, Sahachar, Dhaka Prakash.

➢ इस अधि० को मुंह बंद करने वाला आध० भी कहा जाता है।
This act is also called the act that shuts the mouth.

➢ 1878 ई० के वर्नाकुलर प्रेस एष्ट को सुरेन्द्र नाथ बनर्जी ने आकाश से होने वाला बज्रपात कहा। Surendra Nath Banerjee called the Vernacular Press Act of 1878 as a thunderbolt from the sky.

➢ G.G. रिपन ने वर्नाकुलर प्रेस एक्ट 1878 को समाप्त कर दिया।

G.G. Ripon abolished the Vernacular Press Act 1878.

➢ पत्रकार के कर्तव्य का निर्वहन करते हुए जेल जाने वाले प्रथम भारतीय बाल गंगाधर तिलक थे। The first Indian to go to jail while discharging the duty of a journalist was Bal Gangadhar Tilak.

➢ वन्दे मातरम, संध्या व युगांतर आदि पत्रों को 1908 ई० के न्यूज पेपर एक्ट द्वारा बंद कराया गया। Vande Mataram, Sandhya and Yugantar etc. newspapers were closed by the Newspaper Act of 1908 AD.

➢ समाचार पत्रों की समीक्षा के लिए गठित प्रेस कमेटी 1921 के अध्यक्ष तेज बहादूर सत्रु थे। Tej Bahadur Satru was the chairman of the Press Committee 1921 formed to review the newspapers.

➢ भारतीय प्रेस Emergency Act 1931 में पारित किया गया था।

The Indian Press Emergency Act was passed in 1931.